



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 1 अगस्त, 2006/10 श्रावण, 1928

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग
(नियुक्ति-4)

अधिसूचना

शिमला-171 002, 18 जुलाई, 2006

संख्या का० (नि०-4)ए(3)-1/2005.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग विशेष कार्य अधिकारी, हिमाचल प्रदेश सचिवालय पुस्तकालय, (वर्ग-I, राजपत्रित), (लिपिक वर्गीय सेवाएं) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध-“क” के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बताते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग, विशेष कार्य अधिकारी, (वर्ग-I, राजपत्रित) हिमाचल प्रदेश सचिवालय पुस्तकालय, भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2006 है ।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
मुख्य सचिव ।

हिमाचल प्रदेश सचिवालय, कार्मिक विभाग, विशेष कार्य अधिकारी हिमाचल प्रदेश सचिवालय पुस्तकालय (वर्ग-I, राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम

1. पद का नाम विशेष कार्य अधिकारी, हिमाचल प्रदेश सचिवालय पुस्तकालय।
2. पदों की संख्या 1 (एक)
3. वर्गीकरण (वर्ग-I, राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय सेवाएं)
4. वेतनमान 10025-340-12000-375-13500-400-15100 रुपये जमा 800/- रुपये विशेष भत्ता।
5. चयन पद अथवा अचयन पद चयन
6. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु। लागू नहीं
7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्ति(यों) के लिये अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं। अनिवार्य अर्हताएं : लागू नहीं
वांछनीय अर्हताएं : लागू नहीं
8. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं। आयु : लागू नहीं
शैक्षणिक अर्हताएं : लागू नहीं
9. परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा कि सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें।
10. भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पद (पदों) की प्रतिशतता। शतप्रतिशत प्रोन्नति द्वारा
11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाना है। मुख्य पुस्तकालय में से प्रोन्नति द्वारा, जिसका पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके पांच वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष में से प्रोन्नति द्वारा, जिसका हिमाचल प्रदेश सचिवालय के मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष और पुस्तकालयाध्यक्ष का संयुक्त रूप में छः वर्ष का नियमित सेवाकाल हो, या की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके छः वर्ष का संयुक्त नियमित

सेवाकाल हो जिसके अन्तर्गत मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष की अनिवार्य सेवा भी सम्मिलित होगी।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई लगानार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये इस शर्त के अधीन रहने हुए गणना में ली जायेगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाते के पश्चात् की गई थी :

परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो), के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु यह और कि इन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होगी।

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र सपझा जायेगा :

स्पष्टीकरण—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि बरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मेड फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन ऑफ वेकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों या जिसे एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन ऑफ वेकैन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हो।

12 यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना ।

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

14. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा ।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

16 आरक्षण

17. विभागीय परीक्षा

18 शिथिल करने की शक्ति

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फल-स्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए ।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो

लागू नहीं

लागू नहीं

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों/अन्य पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवा में आरक्षण की बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अधीन होगी ।

सेवा के प्रत्येक सदस्य को, हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी ।

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Per. (A-IV)A(3)-1/2005, dated 18-7-2006 as required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PERSONNEL DEPARTMENT
(Appointment IV)

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 18th July, 2006

No. Per(A-IV)-A(3)-1/2005.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Officer on Special Duty, H. P. Secretariat Library (Class-I, Gazetted) (Ministerial Services), in the Department of Personnel, as per Annexure-“A” appended to this Notification, namely:—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Personnel, H. P. Secretariat Library, Officer-on-Special Duty (Class-I, Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 2006.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

By order,

Sd/-
Chief Secretary.

ANNEXURE-“A”

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF OFFICER-ON-SPECIAL DUTY, H. P. SECRETARIAT LIBRARY (CLASS-I. GAZETTED), DEPARTMENT OF PERSONNEL, HIMACHAL PRADESH SECRETARIAT

- | | |
|---|--|
| 1. Name of the post | Officer-on-Special Duty, H. P. Secretariat Library. |
| 2. Number of post(s) | 1 (One) |
| 3. Classification | (Class-I, Gazetted) (Ministerial Services) |
| 4. Scale of pay | Rs. 10025-340-12000-375-13500-400-15100 plus Rs. 800/-. |
| 5. Whether selection post or non-selection post. | Selection |
| 6. Age for direct recruitment | Not applicable |
| 7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruit(s). | Essential Qualification(s) : Not applicable
Desirable Qualification(s) : Not applicable |

- | | |
|---|---|
| 8. Whether age and educational qualification(s) prescribed for direct recruit(s) will apply in the case of the promotee(s). | Age : Not applicable

Educational Qualification(s) : Not applicable. |
| 9. Period of probation, if any | Two years' subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing. |
| 10. Method(s) of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of post(s) to be filled in by various methods. | 100 % by promotion. |
| 11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made. | <p>By promotion from amongst the Chief Librarian possessing five years' regular service or regular combined with continuous <i>ad hoc</i> service rendered if any, in the grade failing which by promotion from amongst the Chief Librarian with six years' regular service or regular combined with continuous <i>ad hoc</i> service rendered, if any, as Chief Librarian and Librarian of H. P. Secretariat combined which shall also include essential service of three years' as Chief Librarian.</p> <p>(1) In all cases of promotion, the continuous <i>ad hoc</i> service rendered in the feeder post, if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions that the <i>ad hoc</i> appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided that :</p> <p>In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his/her total length of service (including the service rendered on <i>ad hoc</i> basis, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him/her in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and</p> |

placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the R & P Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him/her shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbent(s) ineligible for consideration for promotion, if the senior ineligible person(s) happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such posts shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules :

Provided that *inter se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

As may be constituted by the Government from time to time.

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

As required under the law.

14. Essential requirements for a direct recruitment.

Not applicable

-
- | | |
|--|---|
| 15. Selection for appointment to the post by direct recruitment. | Not applicable |
| 16. Reservation | The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/other backward classes/other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time. |
| 17. Departmental Examination | Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Himachal Pradesh Departmental Examination Rules, 1997. |
| 18. Powers to relax | Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission relax any of the provision(s) of these Rules with respect to any class or category of persons or post(s). |